

# VISION IAS

www.visionias.in



## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1416)

Name of Candidate	Vipin Kumar Duvivedi		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	35567
Center	MN	Date	

### INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

### INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).  
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI** इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.  
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.  
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.  
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.  
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2<sup>nd</sup> Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar  
Delhi- 110009

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

## SECTION - A

1. (a) Highlighting the significance of ethical work culture, suggest ways by which it can be imbued in an organization. (150 words) 10

नैतिक कार्य संस्कृति के महत्व को रेखांकित करते हुए, उन उपायों का सुझाव दीजिए जिनके माध्यम से इसे किसी संगठन में आत्मसात किया जा सकता है।

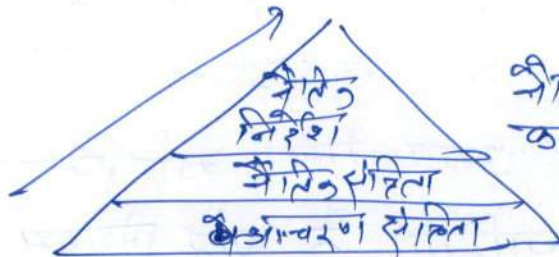
कार्य संस्कृति है तात्पर्य नित्य संगठन के उद्देश्य  
कर्मचारियों के सहज संबंध, शाहकों के प्रति  
उपकार आदि बातों से है।  
नैतिक कार्य संस्कृति नैतिक मूल्यों को  
कार्य संस्कृति में समाहित करती है।

महत्व

- श्रद्धा में वृद्धि
- कार्य स्थल पर कर्मचारियों के महत्व  
सहयोगी उपकार
- कर्मचारियों द्वारा दक्षतम रूप से कार्य  
(जापान)
- शाहकों के हितों का हमान
- संगठन के लक्ष्य प्राप्त करने में  
सुनीकरण
- महिला तथा अन्य वंचित वर्ग से  
संबंधित कर्मचारियों के प्रति संगठन  
के सदस्यों का नैतिक उपकार  
(USA में)

उपाय:

- ↳ आचरण संस्था का निर्माण
- ↳ नैतिक संस्था का निर्माण (स्वैच्छी नैतिक संस्था)
- ↳ कर्मचारियों के महम उर्बावरुयव
- ↳ शैक्षणिक संचार
- ↳ अरुका करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन
- ↳ महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि करने हेतु (कार्पोरेट लैंग्गुयिनिमम 2013, तथा मातृत्वलाषा (प्रसोदन) कानुन 2016 के प्रावधानों को लागू करना)
- ↳ बाजील की तरह परकामेश के आचार पर प्रदीक्षा



इस प्रकार नैतिक कार्य संरक्षित को प्रोत्साहित करने संगठन को समावेशी तथा इस बना सकते हैं।

1. (b) Upholding probity in governance is not only contingent on values of an individual but also the processes of the institution. Discuss. (150 words) 10

शासन में सत्यनिष्ठा बनाए रखना न केवल किसी व्यक्ति के मूल्यों पर बल्कि संस्था की प्रक्रियाओं पर भी निर्भर करता है। विवेचना कीजिए।

शासन में सत्यनिष्ठा से तात्पर्य है शासन में संवैधानिक मूल्यों के साथ-साथ सामानुचित, निष्पक्षता, समता जैसे नैतिक मूल्यों को भी बनाए रखना।

शासन में सत्यनिष्ठा बनाए रखना व्यक्ति के मूल्यों पर निर्भर करता है भौतिक:

↳ व्यक्ति ही संगठन का निर्माण

↳ व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा उसके शासन में प्रभावित होने के कारण शासन को

भी सत्यनिष्ठ बनाती है (जैसे आलबेकुर शास्त्री स्वयं ने भी सत्यनिष्ठ से शासन को

व्यक्तिगत तौर पर सत्यनिष्ठा राजनीतिक चरित्र को भी प्रभावित करती है जिससे सहकारी लोकतंत्र तथा सत्यनिष्ठ शासन का निर्माण होता है।

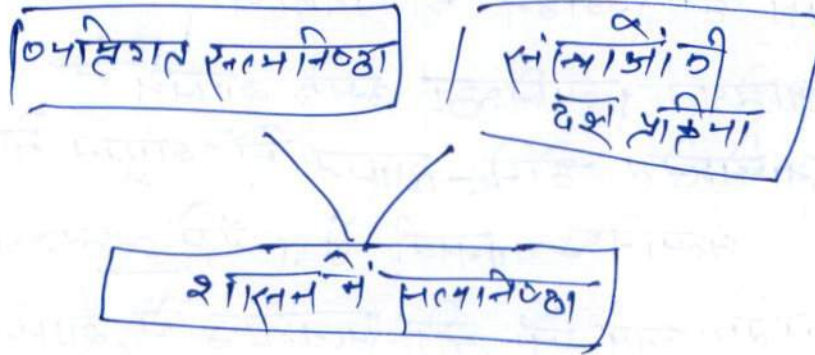
हालांकि यह प्रक्रिया की प्रक्रियाओं पर भी निर्भर करता है:

↳ शासन संस्था के संस्थापक वरिष्ठों का युक्त होकर काम करने से शासन सत्यनिष्ठ (जैसे

(चुनाव आयोग विधिसूचना)

↳ संसदों में अवार्डेड तथा पुनर्पत्र होगा  
तो उनकी दशा भी उच्च होगी तथा  
की अवधि कम होगी।

↳ संसदों द्वारा जनता के हितों को ध्यान  
में रखकर कारणों का निर्माण समय  
की शासन समस्या है तथा नैतिक  
व्यवस्था (समान व्यवस्था विधानसभामें)



अतः व्यक्ति और संस्था आपसी समन्वय  
तथा समन्वय है शासन को समन्वय  
बना नैतिक शासन तथा सुशासन की  
अवधारणा को वर्त रूप में सकती हैं

2. (a) The nature of a business's operations has a major influence on the ethical issues with which it must contend. Giving examples, discuss how business ethics is crucial in today's world. (150 words) 10

व्यवसाय के परिचालन की प्रकृति का नैतिक मुद्दों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है जबकि इन दोनों को दृढ़तर होना चाहिए। सोदाहरण, विवेचना कीजिए कि आज के समय में व्यावसायिक नैतिकता कैसे महत्वपूर्ण है।

गांवी जी बिना नैतिकता के व्यापार को पान मानते हैं।

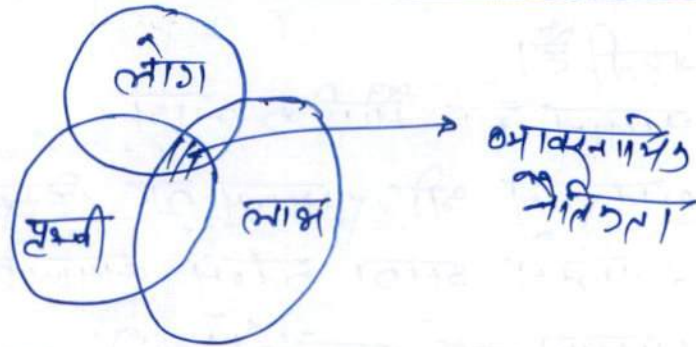
आज के समय में व्यावसायिक नैतिकता का महत्व:

- व्यावसाय की नैतिकता बढ़ने से विश्वसनीयता बढ़ती है।
- व्यवसाय को मौद्रिक लाभ
- व्यवसाय भी समाज का हिस्सा इसलिए इसका कठोर समाज के प्रति व्यवसाय का समाज में जैसे समय बने रहने के लिये (जैसे माइक्रोसॉफ्ट, टाटा आदि) नैतिकता के साथ व्यवसाय
- व्यावसायिक नैतिकता कारपोरेट शासन को बुरा रूप से सभी हितधारकों का ध्यान रखती है
- व्यावसायिक नैतिकता समाज के फ्लोर मानने को साध्य समझकर कार्य करने की

प्रेरणा देती है।

→ भावनामयिता नैतिक परावर्तन के लिए  
संबंधित होकर भाषा करने में मदद करती  
(असम में OIC के कृपे में तथा विद्यापति  
में गीत लिखा)

→ परवसाहित नैतिकता मेडिकल क्षेत्र में  
। स्त्रियोग शामिल जैसी गतिविधियों को  
उचित बनाती है।



अतः भाषा के लक्ष तथा मानवतावादी  
मूल्यों के संरक्षण दोनों में भावनामयिता  
नैतिकता सहयोगी है।

2. (b) An honest bureaucrat can be put to inconvenience but the dishonest one is more likely to suffer in the long run. Comment. (150 words) 10

एक ईमानदार नौकरशाह को असुविधा हो सकती है किन्तु एक बेईमान नौकरशाह को दीर्घकाल में हानि होने की अधिक संभावना होती है। टिप्पणी कीजिए।

नौकरशाही को पटेल तथा अंबेडकर ने जैसे साबित  
के रूप में देखा था जो सर्वोच्च न्यायालय के उद्देश्यों  
की पूर्ति के साथ सामाजिक न्याय स्थापित करने  
में सहयोगी होगी। हालांकि ईमानदारी जो  
नौकरशाही की मुख्य विशेषता है, उससे असुविधा  
ही सगली है किंतु दीर्घकालिक हानि नहीं।

ईमानदार नौकरशाह को असुविधा:-

- ईमानदारी के कारण राजनीतिक दलों के दबाव से गर्मपातों का द्वारा स्थानांतरण (अखिल खेमका 27 पाल में 53 बार)
  - का कुछ समय के लिए ~~सर्वोच्च न्यायालय~~ मन्त्रियों आदि से इंड (सर्वोच्च न्यायालय को सज्जता है, प्रामाणिक नहीं)
  - ईमानदारी से युक्त निर्णय लेने के कारण कुछ लोगों से मतभेद (उ. शंकरानु का बंधुवा मजदूरी पर लेना शमा निर्णय)
  - ईमानदार नौकरशाह के खिलाफ जांच जैसी गतिविधियाँ
- किंतु जो ईमानदार नौकरशाह की विश्वनीयता

प्रत्येक आर्थिक दौरे के कारण इनके  
मानसिक तथा व्यवसायिक तिर पर भार  
लगा होता है।

वैश्वानर नौकरशाह के दिक्काल में दानि  
की संभावना अधिक जैसे: —————

⇒ अध्यात्म आध्यात्मिक 2018 के तहत कार्यवाही

⇒ विनया के आर्थिक द्वारा विनयाओं के  
कठोरता पर कार्यवाही

⇒ मानसिक अक्षमता

⇒ अधिष्ठा में सजा होने पर संकल्प के  
प्राथम्यताओं के प्रतिष्ठा की दानि (महम  
प्रतिष्ठा के आर्थिक दायित्व I.A.५)

⇒ विश्वनीयता में कमी के कारण करिमा  
प्राप्त की प्रभावित

अतः नौकरशाहों को ईमानदार बनना  
चाहिये साथ ही शुद्ध के अनुकूलन  
संश्लेषण का निमाण कर, अनुकूल आ दायक  
तथा ~~विश्व~~ सिविल सिवा बोर्ड बनाकर  
ईमानदार नौकरशाहों को होने वाली अशुविधा  
को इस क्रम की आनन्दता है।

3. (a) The notion of an ethical foreign policy downplays the realities of international politics. Critically discuss. (150 words) 10

एक नैतिकतापूर्ण विदेश नीति की धारणा अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की वास्तविकताओं को कम करके आंकती है। आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

नैतिकतापूर्ण विदेश नीति वास्तविकताओं  
विदेश नीति में नैतिक सिद्धांतों का पालन  
करती है।

मह अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की वास्तविकताओं  
को कम करती है।

जैसे:

- ① अंतर्राष्ट्रीय समुदाय नैतिक मामलों में विपरीत  
स्वार्थ व राष्ट्रहित में काम करते हैं
- ② परमाणु हथियारों का निर्माण नैतिक सिद्धांतों  
के विपरीत किए की उपयोग
- ③ नैतिकतापूर्ण विदेश नीति धारणियों के हिस्से  
का आन 1950 के दशक तथा लोकतांत्रिक (1947-50)  
के तहत रखी है किन्तु वास्तविकता है कि  
देश संसाधनों के अभाव में इन्हें इतना महत्व है
- ④ मह नीति अभ्यवस्था के चुल्लेपन तथा समान  
निमन आध्यात्मिक व्यवस्था का प्रस्तावित करती  
है किन्तु राष्ट्रों द्वारा संरक्षणवाद तथा

पट्टा में दिखत जैसे मुद्दों को उठाना जाता है।

इसी प्रकार यह नीति मानवतावादी मूल्यों के मानवावेगार की रक्षा, संरक्षण का ध्यान, संसाधनों का उचित प्रयोग पर बल देती है किंतु राष्ट्र अपने हितों पर बल।

हालांकि नैतिकतापूर्ण विदेश नीति अंतरराष्ट्रीय समुदायों को लाभान्वित करने में सहायक है जैसे।

- ↳ सहकारिता को बढ़ावा
- ↳ नैतिकतापूर्ण द्वारा शांति की स्थापना
- ↳ शरणाधीन प्रभाव इल करके राष्ट्रों के प्रथम प्रमत्त
- ↳ संसाधनों का उचित बंधन द्वारा सुनिश्चित करके SDG लक्ष्यों की प्राप्ति।

अतः नैतिकतापूर्ण विदेश नीति देशों के अर्थव्यवस्थाओं को प्राप्त करने का साधन है।

3. (b) Conscience can neither be silent nor delayed as a source of ethical guidance. Elaborate. (150 words) 10

नैतिक मार्गदर्शन के स्रोत के रूप में अंतःकरण न तो मौन रह सकता है और न ही विलंब कर सकता है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

गान्धी जी ने अनुसार आम की अदालत जिस ऊपर सब अदालत है जिसे आंतरात्मा की कहते हैं। आंतरात्मा हमें नैतिक कर्तव्य प्रति निर्देशित करती है।

नैतिक मार्गदर्शक के स्रोत के रूप में अंतःकरण मौन नहीं रह सकता।

• यह हमें नैतिकता के पथ पर अग्रसर करता है।

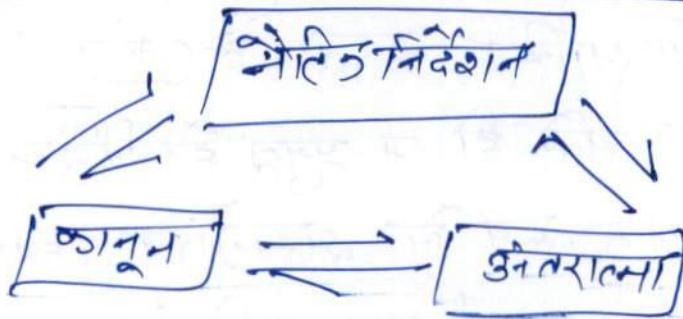
• अलान्य और कर्तव्य के इंद में फर्क के प्रति प्रेरणा देता है (कांत)

• अंतःकरण अलौकिक है न प्रकृत है किंतु हमें को आन्तरिक रूप से प्रेरणा देता है।

• किसी अनैतिक काम पर हमें आगाह करता है (जैसे - चोरी-चौरा काण्ड के बाद आंतरात्मा की आवाज पर गान्धी जी ने आन्दोलन वापस लिया।)

अंतरात्मा बिलंब नहीं करता है-

- व्यक्ति को त्वरित निर्णय से तब प्रोत्साहित
- नैतिक दुविधा के समाधान में सहायक
- यह व्यक्ति में ही निहित अतः बाहरी जगत में हल न खोजने की बजाय अन्तर्मन में ही हल खोजना अपेक्षित बनी होता है
- अंतरात्मा प्रक्रियाओं में ही त्वरित निर्णय द्वारा बिलंब नहीं होने देती (जैसे सिविल सर्वेंटों द्वारा उत्पाद प्रबंधन में अंतरात्मा का प्रयोग त्वरित निर्णय में।)



अतः ~~मैटिड~~ निर्देशन में अंतरात्मा त्वरित मुख्य होकर निर्णय को समावेशी तथा नैतिक बनाती है।

4. Given below are quotations of moral thinkers/philosophers. Bring out what they mean to you in the present context:

नीचे नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के उद्धरण दिए गए हैं। वर्तमान संदर्भ में आपके लिए उनके क्या अर्थ हैं, स्पष्ट कीजिए:

(a) To educate a person in the mind but not in morals is to educate a menace to society. — Theodore Roosevelt (150 words) 10

किसी व्यक्ति को बौद्धिक रूप से शिक्षित करना, किंतु नैतिक रूप से नहीं, समाज के लिए एक खतरे को शिक्षित करना है। - थियोडोर रूज़वेल्ट

बौद्धिक शालिशीलता के बिना शिक्षा अव्यक्त है किंतु शिक्षा में नैतिक मूल्यों का समावेश भी जरूरी है।

शांवी जी की दृष्टि में शिक्षा (नैतिक शिक्षा) पर बल देने है। नेल्सन मंडेला के अनुसार शिक्षा वह दायित्व है जिसे किसी भी मुद्दे को जीता जा सकता है। हालांकि यह दायित्व तभी उत्पन्न होगा जब नैतिक हो नहीं समाज के बिना खतरा हो सकता है।

उत्तर

→ नैतिकता विहीन तकनीक शिक्षा अध्यापक तथा अशांति में समाज (आड के आतंकी इन्फ्रीमरिंग गुणों से युक्त)

→ नैतिकता विहीन शिक्षा मेडिकल सेल में कई समयसमयें दुपल कट सकता है (जैसे अल्फासांडुड का)

हा प्रयोग शून्य हल्का है, उर्वर स्थिति पर शक्ति

→ त्रैलिकता विशेष शिक्षा समावर्णीय दोहन को बढ़ा सकता है। (जैसे वर्तमान की अवस्था परिवर्तन परम्परा)

त्रैलिकता से युक्त शिक्षा के लाभ:-

↳ तकनीक विकास को समाज के लिए सक्षम (आत्मनिर्भरता, सुख, कल्याण जैसे वैश्विक)

→ समाज में सहिष्णुता तथा भाईचारा (यस में कर्म-गौरव कटने एक साथ)

→ नैतिक शिक्षा समावर्णीय के प्रति सहिष्णु बनाती है।

→ नैतिक शिक्षा समाज में जातिवाद, लैंगिक भेदभाव, धार्मिक अंतरता आदि समस्याओं का अनुमूलन करती है।

"किंकिं न साहसि विद्या" तथापि विद्या इति

विनमस् शिक्षा के आंतरिक गुण हैं अतः शिक्षा बौद्धिक स्तर के साथ नैतिक स्तर पर भी है।

4. (b) Right is right even if no one is doing it; wrong is wrong even if everyone is doing it. — Saint Augustine (150 words) 10

सही सही है, भले ही कोई भी ऐसा न कर रहा हो; गलत गलत है भले ही हर कोई ऐसा कर रहा हो। - सेंट ऑगस्टीन

सही सही है गलत ही गलत है और गलत गलत ही गलत है।

बख्शवारनंद विद्यालय ने जब स्त्री शिक्षा पर बल दिया तब तत्कालीन भारतीय समाज में इसे लोग सही नहीं मान रहे थे और लोगों द्वारा इसे बड़ावा भी नहीं दिया जा रहा था। इसी प्रकार डी.के. ने विधवा विवाह को सही माना तब समाज में प्रचलन न होने के बाद भी इसे बड़ावा दिया।

गलत- गलत होता है भले ही हर कोई कर रहा हो। जैसे पुत्री समाज, उस समय प्रचलन में था किंतु राजाराममोहनरॉय ने इसे गलत मानकर इसका विरोध किया। बाद में स्थिर भी गया।

मह बात वर्तमान में भी प्रासंगिक है। संगठन में कार्य करते समय कर्मचारियों

को सही काम ही करना चाहिये भले ही लोग उसे न कर रहे हों और गलत राय नहीं देना चाहिये बल्कि ही उनको सही कर रहे हैं।

जैसे यदि किसी संगठन में सचिव रहते हैं तो वे भी एक ईमानदार एवं सतमनिष्ठ कर्मचारी ही रहना चाहिये भौतिक महत्त्व है।

अत्म प्रासंगिकता  
सही सही है → शौचालयों का निर्माण  
→ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ  
→ पर्यावरण संरक्षण

गलत गलत है → प्रवृत्तियाँ  
→ बाल विवाह  
→ कलहपत्र  
निधियों का अनुचित उपयोग  
लौंगीय संदर्भाव

अतः सही के सामने खड़े रहना तथा गलत से दूर रहने की आवश्यकता है।

5. (a) "Children are great imitators, so give them something great to imitate." In this context, discuss the importance of role models in inculcating values in children. (150 words) 10

"बच्चे उत्कृष्ट अनुकरण करने वाले होते हैं, इसलिए उन्हें अनुकरण करने के लिए कुछ बहुत उत्कृष्ट दीजिए।" इस संदर्भ में, बच्चों में मूल्यों को अन्तःस्थापित करने में अनुकरणीय व्यक्तियों (रोल मॉडल्स) के महत्व की विवेचना कीजिए।

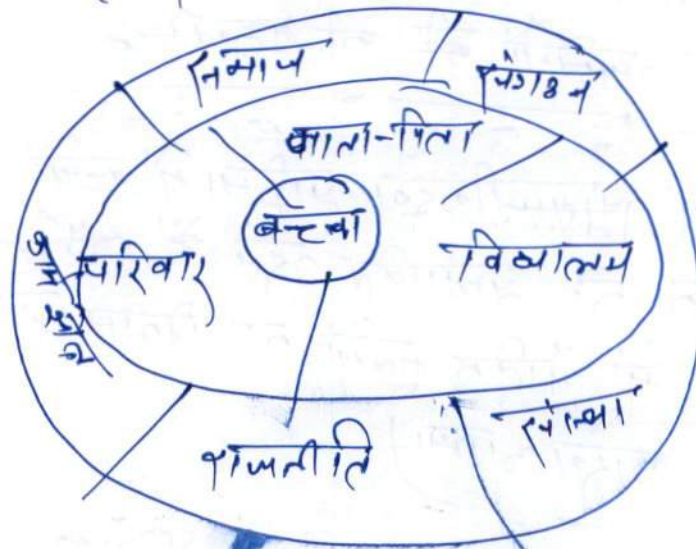
सामाजिक अविगम के रूप में बच्चे अपने रोल मॉडल्स का अनुकरण करते सीखते हैं। यह बच्चों की अभिवृत्ति निर्माण का एक अंग है।

बच्चों में मूल्यों को अन्तःस्थापित करने में अनुकरणीय व्यक्तियों की का महत्व।

• रोल मॉडल्स सामाजिक एवं प्राकृतिक बच्चों के मरिचक को प्रभावित करते हैं (जैसे गांधी जी में प्रकृतिक मूल्यों का विकास उनकी माता के कारण हुआ)।

रोल मॉडल्स का विभिन्न संस्कारों के प्रति व्यवहार बच्चों की संस्कारों को निर्माण में प्रभावित (कलाम में प्रभाव) प्रभाव का आव रसालीप हुआ क्योंकि उनके पिता विभिन्न व्यक्तियों के लोगों के साथ बातचीत करते हैं।

- रोल मॉडल के रूप में शिक्षित बच्चों की शिक्षा संबंधी अभिवृत्ति का निर्माण
- बच्चों का प्रारंभिक रोल मॉडल उनके माता-पिता होते हैं। इसलिये 'राजनीति सामाजिक अभिवृत्तियों' पर भी उनका प्रभाव
- रोल मॉडल का संदेश बच्चों की अभिवृत्ति प्रभावित करती है।



बच्चों में मूल्यों के विकास में सहयोगी तत्व

कलाम के शब्दों में बच्चों के नैतिक विकास में माता-पिता, शिक्षक तथा परिवार की अहम भूमिका होती है। बच्चा इन्हीं रोल मॉडल की का अनुकरण करते सीखता है।

5. (b) The Covid-19 pandemic has brought with itself an environment of uncertainties and hardships. In this context, discuss the significance of emotional intelligence in dealing with the situation. (150 words) 10

कोविड-19 महामारी अपने साथ अनिश्चितताओं और कठिनाइयों से भरा वातावरण लेकर आई है। इस संदर्भ में, इस स्थिति से निपटने में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व की विवेचना कीजिए।

कोविड-19 एक वायरस जन्य बीमारी है जिसने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के साथ ही सामाजिक, आर्थिक-राजनीतिक समस्याओं का डकड़ डकड़ अभिव्यक्तियों एवं कठिनाईयों का वातावरण पैदा किया है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता जो अपनी तथा दूसरों की भावनाओं को समझने तथा उनके व्यवहार करने का गुण है, इसका कोविड जैसी कठिनाईयों से निपटने में निम्नलिखित महत्व है-

#### ① आत्मजागरूकता

स्वयं को वायरस के प्रति संजोत रखें  
→ अपनी भावनाओं को काबू रखकर मानस स्थिरताइज्जत तथा शोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें।

#### ② आत्मनिरीक्षण

स्वयं को इस कठिनाई में भी प्रेरित करें  
→ स्वयं को प्रेरित रखने के साथ दूसरों के

सुरक्षित रखने में सहयोग करें।

③ सामाजिक सेवा:

- > लोकमान्य कल्याण करने हेतु पुलिस द्वारा जनता से अंतरवैधानिक संवाद रखना
- > लोगों को शक्ति, T.P., सोशल मीडिया के माध्यम से वायरस के प्रति जागरूक करना
- > इससे को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देना (पलमर कि मेडिकल टीम पर हमला)

④ समानुष्ठापन:

- ↳ लोगों कि कठिनाईयों को इस इन्फेक्शन में (गैर लुड द्वारा प्रवासी मजदूरों की सहामता)
- ↳ पुलिस द्वारा शहरी मजदूरों की सहामता
- ↳ PM कैम्प केड में लोगों द्वारा सहामता
- ↳ सरकार द्वारा PDS के तहत मुफ्त में अनाज सिमेंटर आदि उपलब्ध कराना।

अतः समानुष्ठापनात्मक समझ अपने विभिन्न गुणों के आधार पर कोविड-19 से अपनी कठिनाईयों से लड़ने में सहामता है।

6. Bring out the role of social media in shaping one's moral and political attitude. (150 words) 10

किसी व्यक्ति की नैतिक और राजनीतिक अभिवृत्ति को आकार देने में सोशल मीडिया की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

आजकाल की नैतिक, नैतिक या बर्तु के  
प्रति मनोवैज्ञानिक रीति है।

नैतिक आभिवृत्ति के आकार देने में सोशल  
मीडिया की भूमिका:

- समाज के प्रति जागरूक बनाना  
परावरणीय नैतिकता के सुल बनाना (सुल  
में दृष्टि की मूल्य का सामूहिक विरोध)
- महिलाओं के प्रति लिंगों को संवेदनशील  
बनाना (सैल्फी विथ टावर आभियान)
- आतंकवाद के इरादों के हेतु  
सोशल मीडिया द्वारा आतंकवादी कार्यक्रमों  
का विरोध
- बच्चों के प्रति संवेदनशीलता  
का प्रचार (बाबा का हाथ का मुद्रा)
- शिक्षकों, माता-पिता आदि के प्रति शिक्षण का  
प्रचार भाव (टीचर्स डे, मधर्स डे आदि)

राजनीतिक आंदोलनों को आगुलने में  
सोशल मीडिया की भूमिका:-

- ↳ सोशल मीडिया पर राजनीतिक आंदोलन  
पर कामवादी
- ↳ चुनावों में प्रति जागरूकता (सिलेब्री विथ  
वोटिंग फिंगर)
- ↳ राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया  
प्रचार
- ↳ सोशल मीडिया पर सर्वोच्च राजनीतिक  
भाषण।

इस प्रकार मीडिया एवं सामाजिक  
आंदोलनों में समाज, परिवार आदि के साथ  
सामाजिक सोशल मीडिया से भी संबंधित  
होती हैं।

7. Environmental ethics is about the moral relationship of human beings to, and also the value and moral status of, the environment and its non-human contents. Elaborate. (150 words) 10

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र पर्यावरण एवं उसकी गैर-मानवीय विषयवस्तु के मूल्य और नैतिक स्थिति के साथ ही उसके साथ मनुष्यों के नैतिक संबंध के विषय में भी है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र पर्यावरण के प्रति लोगों को उचित अनुचित कामों से आगाह करता है। यह प्रकृति इसलिये तबला आति सर्वत्र वर्जित के सिद्धांत पर काम करता है।

यह पर्यावरण और मानवीय ~~सं.~~ मानव के संबंध को साथ ही मानवीय मूल्यों एवं पर्यावरणीय और मानवीय विषयवस्तु के संबंध को स्थापित करता है और।

> पर्यावरण के प्रति मनुष्य को संबन्धित बनता है।

> पर्यावरण के प्रति मानव को करुणा तथा सहानुभूति से युक्त करता है।

> मानवीय नैतिक मूल्यों सादृश्यता को पर्यावरणीय तत्वों के साथ पर भी प्रभावित करता है।

> मनुष्य को विकास के क्रम में पर्यावरण

के लाभ अनुभवन स्थापित करने की ओर  
अग्रसर करता है।

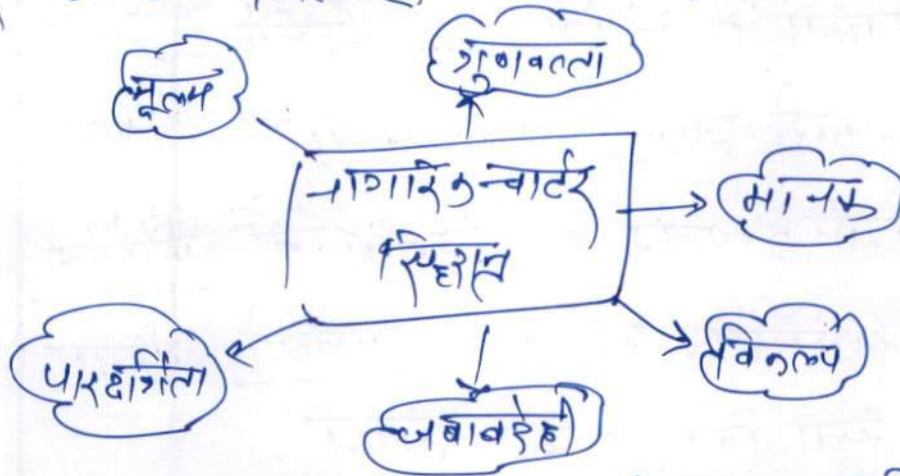
> पर्यावरण के प्रति मानव को जागरूक  
बनाने पर्यावरण बनाता है।

इसके अलावा CO<sub>2</sub> उत्सर्जन के कारण  
कैब्रिक तापमान एवं जलवायु परिवर्तन जैसे  
कठनायों तथा प्राकृतिक आपदाओं की समस्या  
समाप्त है पर्यावरणीय प्रौद्योगिकी इनके समाधान  
में सहयोगी है।

8. The Citizens' Charter cannot be an end in itself; it is rather a means to an end. Discuss. (150 words) 10

नागरिक चार्टर अपने आप में साध्य नहीं हो सकता; बल्कि यह एक साध्य का साधन है। विवेचना कीजिए।

नागरिक चार्टर वह तंत्र है जो निम्नी संगठन में शिवालय निवारण तथा ती स्थापना के साथ सेवाओं के संबंध में मानक तथा गुणवत्ता के प्रति संगठन को प्रतिबद्ध बनाता है।



नागरिक चार्टर अपने आप में साध्य नहीं है।  
साधन साधक:

- यह गुणवत्ता तथा मानक को स्थापित करने का साधन
- संगठन को प्रतिबद्ध बनाता है जन्मोत्सवी बनाने का साधन
- संगठन की सेवाओं को आगे बढ़ाने का साधन

→ लोगों के प्रति संगठन के उद्देश्यों  
को प्रकट करके कल्याणकारी बनने  
का साधन

→ शिनामलों का निवारण करते अवाकूफ  
बनने का साधन

→ सेवाओं के संबंध में लोगों के मध्य  
जानकारी प्रकट पारदर्शिता का साधन

→ नागरिक चार्टर के निर्माण ने फीडबैक  
को प्रोत्साहित करने समावेशी प्रतिभा  
तथा सेवा वितरण का साधन

इस प्रकार नागरिक चार्टर के विभिन्न  
साधनों के साधन हैं जिन 2nd ARE  
की अनुसंधानों को अपनाए सिवाकूफ  
मार्फत के समावेशन द्वारा साधन के  
प्रति आवधिक सक्रिय बनाना चाहिए

## SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You are the District Magistrate of district, which has recently witnessed rapid transmission of the Covid-19 pandemic. The district has high population density and a sizeable chunk of migrant workers. There has been a shutdown of business activities and the workers are yearning to go back to their native places. The administration has announced a strict lockdown and divided the district into containment zones. There is a severe shortage of people, material and money in the administration and fear and panic is seen to be gripping them.

(a) What are the qualities of a civil servant that are revealed in such testing times?

(b) What measures would you suggest for:

(i) Dealing with the current issue.

(ii) Making the district administration more resilient to respond to such a critical situation in the future. (20)

हाल ही में, आप कोविड-19 महामारी के तीव्र संचरण से पीड़ित एक जिले के जिलाधिकारी हैं। जिले में जनसंख्या घनत्व अधिक है और काफी संख्या में प्रवासी श्रमिक हैं। व्यावसायिक गतिविधियाँ बंद हो गई हैं और श्रमिक अपने मूल स्थानों पर वापस लौटना चाहते हैं। प्रशासन ने सख्त लॉकडाउन की घोषणा की है और जिले को संरोधन क्षेत्रों (कन्टेनमेंट ज़ोन्स) में बांट दिया है। प्रशासन में लोगों, सामग्री और धन की भारी कमी है और उनमें भय व्याप्त होता हुआ प्रतीत हो रहा है।

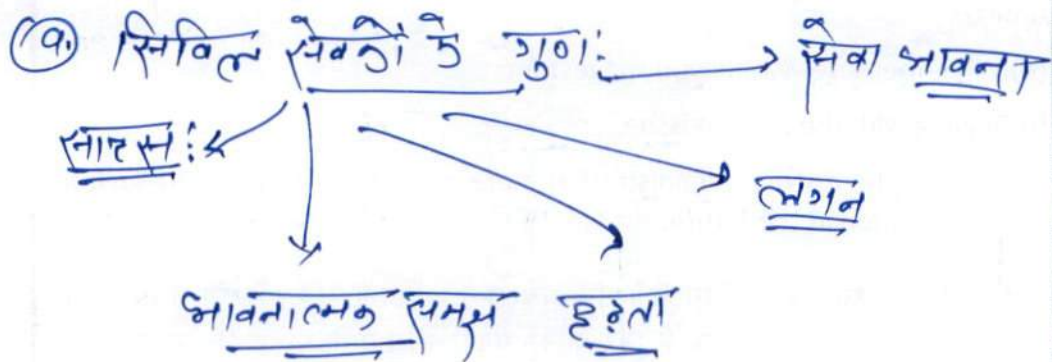
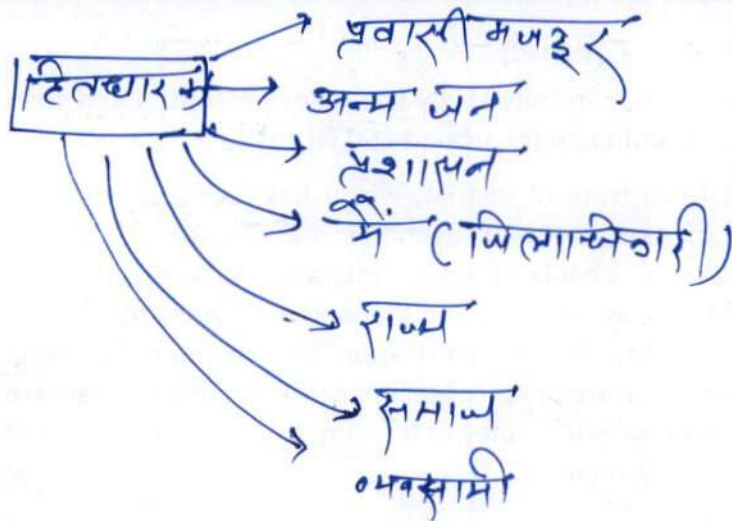
(a) ऐसी परीक्षा की घड़ी में एक सिविल सेवक में प्रकट होने वाले गुण कौन-से हैं?

(b) आप किन उपायों का सुझाव देंगे:

(i) वर्तमान मुद्दे से निपटना।

(ii) भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति के प्रति अनुक्रिया देने के लिए जिला प्रशासन को और अधिक लचीला बनाना।

कोविड-19 महामारी प्रसार को रोकने हेतु महामारी  
आयोग 1897 तथा आपदा प्रबंधन आयोग  
2005 के तहत लॉकडाउन घोषित किया गया  
जिससे दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों में प्रवासी  
श्रमिकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा



⑩ (इ) उपायः

> प्रवासियों हेतु स्कूल, पारिवारिक स्थलों आदि पर रहने की आरक्षणी व्यवस्था करना

> उन्हे इस बात से जागरूक करना कि मह बीमारी खतरनाक है अतः प्रसरण के स्वास्थ्य को हानि में रखकर काम करना ही अतः लक्ष्मण के उद्देश्यों की पूर्ति में सहयोग है।

- > प्रवासीयों हेतु POS से प्राप्त खातान के माध्यम से खातान की समस्या करना
- > प्रशासन में कमी को देखते हुए खात पुरश्च तथा उत्तम कमी हेतु सिविल सौर्यावली तथा MCO की सहायता लेना।
- > गैराल धीमा के माध्यम तथा उत्तम गैराल धीमा के माध्यम से समाज में जागरूकता चलाकर अम को कम करना।
- > गिर की समस्या को इत करे हेतु उत्तम कंडो का उपयोग किया जा सकता है साथ ऊपर से उत्तम कंडो अतिरिक्त कंडो जारी करने की सिफारिश की जा सकती है।
- > सेब के SP के साथ मिलकर बाकडाउन के नियमों का कडार से पालन कराया जाना।
- > लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु किसी हेल्पलाइन नंबर को चलाकर कमी शिकारें सुनना तथा इन्हें हल करने का प्रयास करना।

भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति है प्रति  
अनुभूति। ऐसे हेतु जिला प्रशासन को लक्ष्य  
बने हेतु उपमः

- > आपदा प्रबंधन निधि को बढ़ाना
- > प्रशासन में उर्मचारियों की लक्ष्य  
बढ़ाना।
- > प्रशासन के पास प्रबारी समितियों का  
परमपु डेटा हो जिससे नीति निर्माण  
तथा योजना के कार्यान्वयन में शक्ति  
आये।
- > जिला प्रशासन को मूनेसिपल बांडो;  
संपत्ति को पुनर्पुन बना तथा अनारिस्ट  
राज्य द्वारा विल के दस्तावेज से विलीय  
रूप से सशक्त बनाना।
- > प्रशासन को तकनीक रूप से सशक्त बनाना।  
जिससे प्रशासन A-I, इंटरनेट आफ थिंग्स  
तथा बिग डेटा एनालिसिस का प्रयोग करने  
सेवाओं की सुपुर्तशी और तीव्रता को  
कट सके।

> प्रशासन को ऐसी आपदाओं से निपटने हेतु पूर्व प्राबलिकता हिमा जाना चाहिए।

> प्रशासन को अन्य संस्थाओं तथा स्वास्थ्य, संबंधी, आयुसुरक्षा संबंध, परिवहन संबंधी कार्य के साथ समन्वय स्थापित करने हेतु पूर्व से ही तैयारी बनाना।

नोट - 1) ऐसी आपदाओं जहां कई कठिनाईयां उत्पन्न करती हैं वही कठिनाईयों में ऐसी कठिनाईयों से निपटने की क्षमता भी दे सकती हैं। अतः आपदा को अपना में वैकल्पिक समझे लीखना चाहिए।

10. In recent times, the country witnessed protests based on opposition to some steps taken by the government. Whereas, mostly these were peaceful protests, at a few places these activities turned violent leading to destruction of public property. In some places government arrested few of the protesters and imposed heavy fines on them for the destruction of the property. In case they could not pay, their private property was confiscated by the government to pay for the damage done to the public property. In addition to this, some governments published the photographs, names and addresses of those accused of vandalism during protests at various locations.

(a) What are the issues of public importance at stake in this case?

(b) Are there any ethical or legal principles at play here which may be conflicting?

(c) What should be the principles guiding a democratic state in such circumstances? (20)

हाल के दिनों में, देश में सरकार द्वारा उठाए गए कुछ कदमों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन देखा गया। जहाँ, अधिकतर विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण थे, वहीं कुछ स्थानों पर हिंसक गतिविधियाँ हुईं, जिसके कारण सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ। कुछ स्थानों पर सरकार ने कुछ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया और संपत्ति के नुकसान के लिए उन पर भारी अर्थदंड लगाया। यदि वे भुगतान नहीं कर पाए, तो सरकार द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को हुई हानि के लिए भुगतान करने हेतु उनकी निजी संपत्ति को जब्त कर लिया गया। इसके अतिरिक्त कुछ सरकारों ने विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन के दौरान गुंडागर्दी के आरोपी लोगों की तस्वीर, नाम और पते प्रकाशित किए।

(a) इस प्रकरण में दांव पर लगे सार्वजनिक महत्व के मुद्दे क्या हैं?

(b) क्या यहां परस्पर विरोधी हो सकने वाले नीतिशास्त्रीय या विधिक सिद्धांतों की भूमिका है?

हाल ही में CAA के विरोध में देश के कई  
क्षेत्रों में हिंसक घटनाएँ हुईं। जिसमें सार्वजनिक  
संपत्ति का नुकसान हुआ। जबकि  
सरकार ने निहित मूल उद्देश्य नागरिकों को  
हिंसक गतिविधियों से दूर रखने तथा  
सार्वजनिक संपत्तियों की रक्षा करने की गारंटी  
देना है।



या सूक्ष्म स्तर पर समाजिक हित ही मकद  
है वहीं परिवर्तनों का मुकाम सार्वजनिक  
हित खिलाना।

लाभ बनाम कर्तव्य:-

जहां कानून के खिलाफ तर्कमूलक लाभ  
है मकद है वहीं ~~अपने~~ शक्ति में लक्ष्य  
न देकर कर्तव्यों के विचलन है।

विभिन्न सिद्धियों की क्रमिक:-

> कानून का शासन बनाम अधिकार आधिकार  
आधिकार है। सार्वजनिक संपत्तियों के अति  
को प्रतिना आधिकार 1986 के तहत लगाया  
जमा है वहीं यह अनुच्छेद 21 अपना  
19 का हनन है।

> कानून का शासन बनाम विरोध का  
आधिकार:

संविधान का अनुच्छेद 19 विरोध करने का  
आधिकार देता है हस्तांतरण किंता गरी

फिरु कारन का ज्ञान का उपयोग करके  
विरोध को दबाने हेतु अर्थदण्ड तथा तस्करी  
जगाकर पाठलेखन सिमेंट की जा रही है।

हालांकि यहां परस्पर विरोधी नीतिशास्त्रीय  
एवं विभिन्न शिक्षाओं की श्रमिका है लेकिन  
एक तरफ जहां संविधान तथा कानून शांतिपूर्ण  
विरोध तदर्थान का आविर्भाव होता है वहीं  
गैलेक शिक्षा की शिक्षा से इतर रहने का  
निर्देशित करते हैं।

अतः विरोध में शिक्षा का कोई औचित्य  
नहीं है। सरकार को सर्वोच्च मामालय  
के निर्णय को ध्यान में रखकर संवाचित्त  
मामालय की अध्यक्षता में एक समिति  
बनानी चाहिए तथा संपत्ति को उक्तान  
पहुंचाने की बतना की निष्पन्न जंच तले  
दोषियों को कारन डारा लज्जा दिलायी  
जाई।

निकर्षता: सरकार को सार्वजनिक सुविधाओं का  
ध्यान रखते हुए कानूनों का निर्माण  
करना चाहिए जो समावेशी हो तथा नागरिकों  
को भी मूल कर्तव्यों को ध्यान में रखते  
सार्वजनिक प्रणालियों की रक्षा तथा आई-टीए  
की जावना देखनी चाहिए।

11. The global toll of the COVID-19 pandemic is enormous: more than a half-million lives lost, hundreds of millions out of work, and trillions of dollars of wealth destroyed. And the disease has by no means run its course. There is tremendous interest in the development of a vaccine, with more than a hundred initiatives under way around the world.

Even if one or more vaccines emerge that promise to make people less susceptible to COVID-19, the public-health problem will not be eliminated. But policymakers can avert some foreseeable problems by starting to address key questions about financing and distribution now.

In view of the above scenario, answer the following questions:

- (a) Identify the different stakeholders involved in this scenario.
- (b) Identify some of the ethical questions and issues that are likely to emerge as the vaccine becomes available.
- (c) Who, in your opinion, should be amongst the first recipients of the vaccine? Give reasons for your answer. (20)

वैश्विक स्तर पर कोविड-19 महामारी से प्रभावित लोगों की संख्या अत्यधिक है: 5 लाख से अधिक मौतें हुई हैं, करोड़ों लोगों के रोजगार चले गए और अरबों डॉलर की धन संपत्ति नष्ट हो गई है। और अभी भी इस रोग का निर्बाध प्रसार जारी है। टीके के विकास में वैश्विक स्तर पर अत्यधिक रुचि प्रदर्शित की जा रही है। इस दिशा में सम्पूर्ण विश्व में सौ से अधिक पहलें चल रही हैं।

यहां तक कि यदि लोगों को कोविड-19 के प्रति कम सुभेद्य बनाने की संभावना वाले एक या अधिक टीके उभरकर सामने आते हैं, तो भी सार्वजनिक स्वास्थ्य की समस्या समाप्त नहीं होगी। लेकिन नीति-निर्माता अभी वित्तपोषण और वितरण के संबंध में महत्वपूर्ण प्रश्नों का समाधान आरंभ करके कुछ पूर्वानुमेय समस्याओं को घटित होने से रोक सकते हैं।

उपर्युक्त परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

- (a) इस परिदृश्य में सम्मिलित विभिन्न हितधारकों की पहचान कीजिए।
- (b) टीका उपलब्ध होते ही उभर सकने वाले कुछ नैतिक प्रश्नों और मुद्दों की पहचान कीजिए।
- (c) आपकी राय में टीके का पहला प्राप्तकर्ता किन्हें होना चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए।

कोविड-19 जो एग्रेसिव एवं खतरनाक वायरस जन्म  
कीमारी है इसकी भी वैश्विक स्तर पर टीके  
के अभाव में समस्या का कारण बनी है

### दिनांक

- कोविड-19 से प्रभावित लोग
- प्रमापन के अभाव में
- इन्हें देखने में असाध्य व्यक्तित्व देना
- गुणवत्ता देना
- सरकारी समन्वय
- लीना खोजने वाली कंपनियों
- देश और लीना नहीं खोज पाएंगे

क) लीना उपलब्ध होते ही उभर निकले वाली  
नैतिक प्रश्न व मुद्दे:

- लीना का प्रारंभिक प्रभाव
- लीना का मूल्य
- लीना के लिये वरीयता क्रम का  
निर्धारण
- लीना का वास्तविक है प्रति प्रभाव  
का समय
- अन्य देशों में लीना का वितरण
- लीना के निर्माण के लिये प्रमुख  
क्षेत्र पर केवल कंपनियों द्वारा पेटेंट

स्थापित करना।

↳ विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीके के विकास में शामिल

© टीके का पहला प्राप्कर्ता कोरोना वायरस

अधोल विचित्रता वल ल्या अन्म वे लोग जो कोरोना प्रभावित लोगों से बाधे, संपर्क में होना चाहिए। ध्यान:

↳ इन पर वायरस का खतरा सबसे ज्यादा

↳ इनका संपर्क लज्जालास प्रक्रमित लोगों से

↳ यदि वे टीके से मुक्त रहेंगे तो

बिना कम के प्रभाव रहेंगे जिससे उनकी दशा में बृद्धि होगी।

↳ डॉक्टरों तथा नर्सों की संख्या जो पहले

से ही कम है वह वायरस के प्रभाव

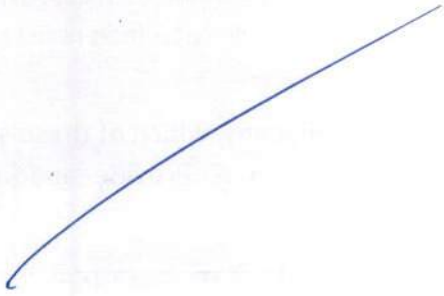
के कारण और कम हो सकती है जो

में टीके से मुक्त वृद्ध तथा नर्स

संभरण से मुक्त रहेंगे तथा संक्रमितों

का प्रभावी इलाज नद सहेगा।  
 > पुलिसकर्मों तथा अन्य गैराना कारिबार  
 लाकडाउन जैसी स्थिति में भी  
 बर पद वहीं रह जाते हैं, ऐसे में  
 उनको लीक प्रदान करके लाकडाउन का  
प्रोशल डिस्टेंसिंग जैसे नियमों का  
 प्रभावी प्रयोग किया जा सकता है।

अतः लीक के निर्माण के उम में ही  
 ७५० जैसी प्रस्थाओं का उचित शिक्षा  
 निर्देश जारी करके लीक का समावेशी  
 वितरण सुनिश्चित करना चाहिए प्रयोग  
 नहीं वह भी वापरन का खतरा निर्मूल  
 विश्व का वापरन के प्रति सुशेख  
 बना सकता है।



12. You are the head of a PSU, which has recently been entrusted with construction of a new airport in a metropolitan city. However, the area in the immediate neighbourhood of the proposed airport runways have large tracts of land occupied by dense slum settlements. If the airport is to be constructed, approximately 75,000 slum families will have to be humanly rehabilitated. The sheer scale of this rehabilitation, almost similar to an urban renewal, has thrown up many challenges. Foremost among these is identifying an appropriate location for rehabilitation of slum dwellers. You are faced with the following options in this regard, each of which have their own merits and demerits:

(a) There is no reasonably priced land in close vicinity of the present slums. A vacant parcel of land that you have identified close-by will have to be developed afresh along with all civic amenities, and this will entail huge cost for the PSU.

(b) There is another location, which is very far-off where a factory once stood. All the required civic amenities are in place here and the factory can be converted into appropriate houses at little cost to the PSU. However, there will be loss of livelihood on relocation to this area because of its distance from the current slum location.

(c) There is yet another site, which can be used for rehabilitation at reasonable cost. Neither is it too far nor will it entail huge monetary cost, but exercising this option involves cutting a large number of trees, which may adversely affect the ecology of the area. This is likely to face resistance from environmental groups.

Given the above options and the associated challenges, which of these sites will you choose for rehabilitation of slum dwellers? Provide adequate justification for your choice. (20)

आप एक सार्वजनिक उपक्रम (PSU) के प्रमुख हैं, जिसे हाल ही में एक महानगर में एक नए विमान पत्तन या हवाई अड्डे के निर्माण का काम सौंपा गया है। परन्तु, प्रस्तावित विमान पत्तन के ठीक पड़ोस के क्षेत्र में भूमि के बड़े भाग पर घनी मलिन बस्तियों का कब्जा है। यदि विमान पत्तन का निर्माण करना है तो लगभग 75,000 मलिन बस्ती के परिवारों का मानवीय तरीके से पुनर्वास करना होगा। इतने बड़े पैमाने पर पुनर्वास लगभग एक शहरी पुनर्स्थापन के समान है, जो कई चुनौतियों को खड़ा करता है। इसमें सबसे पहली चुनौती है। मलिन बस्ती वासियों के पुनर्वास के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान करना। इस संबंध में आपके सामने निम्न विकल्प हैं, जिनमें प्रत्येक की अपनी योग्यता और अयोग्यता है:

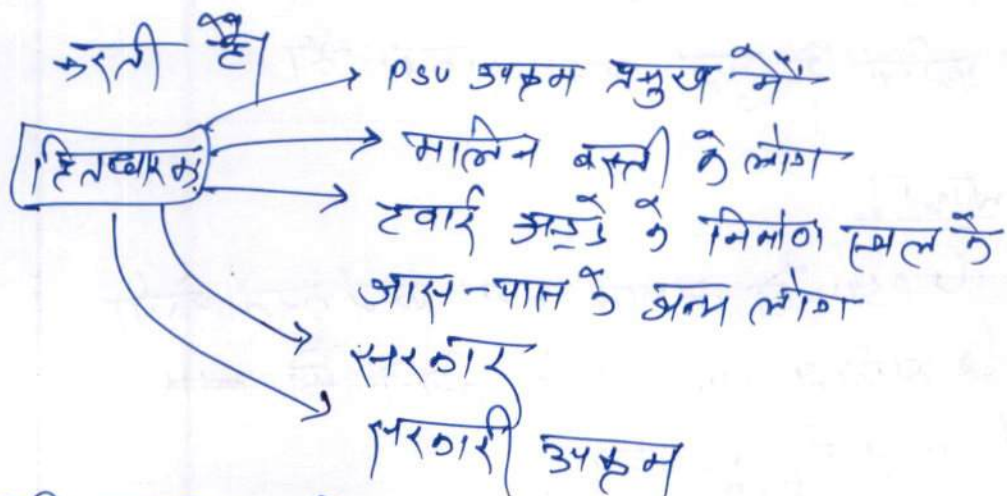
(a) वर्तमान मलिन बस्तियों के निकट सानिध्य में कोई उचित कीमत की भूमि नहीं है। एक खाली भू-खंड जिसकी आपने निकट के क्षेत्र ही में पहचान की है, उसे सभी नागरिक सुविधाओं के साथ नए सिरे से विकसित करना होगा। सार्वजनिक उपक्रम (PSU) हेतु इसकी लागत अत्यधिक होगी।

(b) बहुत दूर स्थित एक और स्थान है जहां कभी एक फैक्ट्री स्थापित थी। यहां सभी आवश्यक नागरिक सुविधाएं मौजूद हैं और फैक्ट्री को उपयुक्त मकानों में परिवर्तित किया जा सकता है जिसमें सार्वजनिक उपक्रम (PSU) को कम लागत आएगी। परन्तु, इस क्षेत्र में पुनर्स्थापन से आजीविका या रोजगार का नुकसान होगा क्योंकि यह मलिन बस्तियों के वर्तमान स्थान से बहुत दूर है।

(c) एक अन्य स्थान भी है जिसका उपयोग उचित लागत पर पुनर्वास के लिये किया जा सकता है। न तो यह बहुत दूर है और न ही इसमें अत्यधिक धन की आवश्यकता है, लेकिन इस विकल्प के प्रयोग में बड़ी संख्या में वृक्षों को काटना पड़ेगा जो क्षेत्र की पारिस्थितिकी को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। इसमें पर्यावरण समूहों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है।

उपर्युक्त विकल्पों और संबंधित चुनौतियों के परिपेक्ष्य में मलिन बस्तीवासियों के पुनर्वास के लिए आप इनमें से किस स्थान का चयन करेंगे? अपने चयन के समर्थन में यथोचित प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

2011 की जनगणना के अनुसार शहरी क्षेत्र की 17% आबादी मलिन बस्तियों में निवास



⑨ भाषा → मलिन बस्तियों के लोगों के लिए आवास

→ खुले निकट क्षेत्र में होने से प्रोस्ट्रुड पुनर्वास की समस्या नहीं आएगी।

हानि → PSU के लिये सस्ती लागत आवेक होगी  
→ पुनर्वास के कारण मलिन बस्तियों के लोगों को कई सामाजिक-आर्थिक-पर्यावरणीय

युनैसिमेंटों का नामना करना पर करना है।

⑥ बिंदु:

- ↳ पहले से ही निर्मित संरचना
- ↳ PSU को अवसंरचना निर्माण में लागत
- ↳ मालिन वारिमेंटों के लोगों हेतु आवाज

द्वितीय:

- ↳ मालिन वारिमेंटों के लोगों की अजीबगार
- ↳ तथा रोजगार संकटात्मक
- ↳ विकास को दीर्घकाल में नकारात्मक प्रभावों से मुक्त बना सकता है।

⑦ बिंदु:

- ↳ PSU को लागत कम खर्च करनी पड़ेगी
- ↳ मालिन वारिमेंटों के लोगों की समस्या
- ↳ पास ही पुनर्वास
- ↳ लोगों को रोजगार तथा अजीबगार के साधन

द्वितीय:

- ↳ परमावस्थायी क्षति
- ↳ कि दीर्घकाल में तात्कालिक आवश्यकताओं के कारण तात्काल जैसे प्रभावों से मुक्त

विकास की अवसरालिप्त 50 एकरी हैं  
मैरे द्वारा पहले विकल्प का चुनाव किया  
जायेगा मौजि।

① यह वर्तमान कस्बा है कि पास ही है  
उत्तः लोगों का सांस्कृतिक एवं सामाजिक  
पुनर्वास की प्रयत्नित होगा।

② उच्च शिक्षण तथा आजीविका के साधन  
प्राप्त होते रहेंगे।

③ अनुच्छेद 28 के तहत गलमालगारी राज्य  
के रूप में नापासगी को सामाजिक-आर्थिक  
माम प्राप्त होगा।

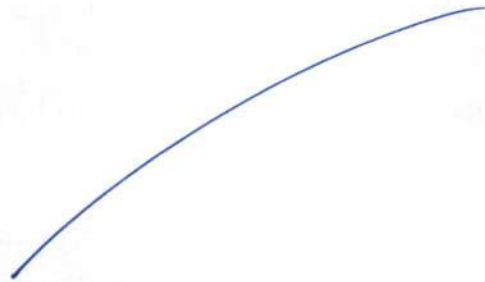
④ BSU CRS का फंड या सरकार से मिलने  
सेवा प्राप्त करने कि वकन नर सकत  
है।

⑤ मैरे द्वारा रेलवे सांसारती तथा फंड  
मंजिल इमारतों के निर्माण हेतु आधुनिक  
तकनीकों का प्रयोग करके आकस्मिक धारित  
बनाने हेतु निर्माणकर्ताओं को प्रोत्साहित किया

जामैगा जिसने ऊर्म खर्च पर आवासों  
का निर्माण होगा।

> जैसे द्वारा संबंधित क्षेत्र के जिलाधिकारी  
के साथ मिलकर आवास वस्ती में जो  
पुनर्वास के दौरान आवश्यक सुविधाओं  
अपलब्ध करानी जामैगा, साथ ही  
उनका कौशल विकास करते उच्च आगे  
हवाई अड्डे के निर्माण में क्रिय  
बल के रूप में उ प्रमुख विषय जो  
सकता है जिसमें पर की आयोजना  
रुम होगी।

विकास के क्रम में पुनर्वास के दौरान  
आजीविका, रोजगार तथा सामाजिक शक्तिधियों  
का ध्यान रखना आवश्यक है तभी  
विकास सतत व समावेशी होगा।



13. You are an Indian Forest Service Officer posted in a division which falls in the coastal regulation zone and contains multiple wildlife sanctuaries. Recently, the State government has brought up a proposal of a new food processing park in your division. Under the proposal, around 175 square kilometers of forest land will be acquired as per the law. The developers of the project claim the various socio-economic benefits it can provide to the people in the area. Due to this a sizeable chunk of trees will be uprooted. There are studies which suggest that such initiatives have a long-term impact on wildlife and also leads to human-wildlife conflict. Some residents living in the periphery of the forest have supported this move in hope of employment opportunities. However, traditional dwellers of the forests have protested against this move. The government has constituted a committee to frame guidelines for sustainable operation of this project. The committee has asked for your suggestions in this regard.

(a) Identify the principles and values that would guide your suggestions in this regard.

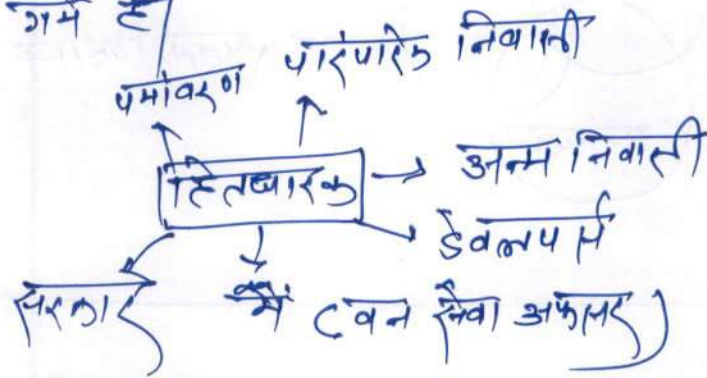
(b) What course of action should be taken in order to balance the social and environmental needs in this case? (20)

आप भारतीय वन सेवा के एक अफसर हैं और ऐसे मंडल या डिवीज़न में पदस्थापित हैं जो तटवर्ती विनियमन क्षेत्र में आता है और जिसमें कई वन्यजीव अभयारण्य हैं। हाल ही में, राज्य सरकार द्वारा आपके मंडल या डिवीज़न में एक नए खाद्य प्रसंस्करण पार्क की स्थापना प्रस्तावित की गयी है। इस प्रस्ताव के अंतर्गत लगभग 175 वर्ग किलोमीटर वन भूमि के विधिक अधिग्रहण की आवश्यकता पड़ेगी। परियोजना के विकासकर्ताओं (डेवलपर्स) ने इसके विभिन्न सामाजिक-आर्थिक लाभों का दावा किया है जो इस क्षेत्र के लोगों को उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके कारण वृक्षों के एक बड़े हिस्से को जूड़ से हटाना पड़ेगा। ऐसे अध्ययन हैं जिनमें यह बताया गया है कि ऐसी पहलों से वन्यजीवन पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है, इसके अतिरिक्त यह मनुष्य-वन्यजीव संघर्ष को उत्पन्न करती हैं। वन की बाह्य परिधि पर रहने वाले कुछ निवासियों ने रोजगार अवसरों की उम्मीद में इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। परन्तु, वनों के पारंपरिक निवासियों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। सरकार ने इस परियोजना के संधारणीय संचालन के दिशा-निर्देशों को निर्धारित करने के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति ने इस संबंध में आपसे सुझाव मांगे हैं।

(a) इस संबंध में उन सिद्धांतों और मूल्यों को निर्धारित कीजिए जो आपके सुझावों का मार्गदर्शन करेंगे।

(b) इस मामले में सामाजिक और पर्यावरणीय आवश्यकताओं में संतुलन स्थापित करने के लिए क्या कार्रवाई करनी चाहिए?

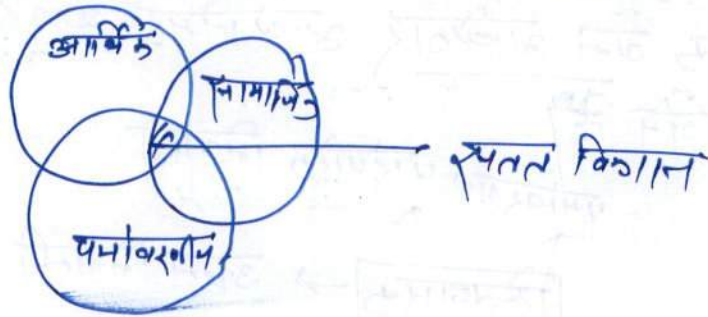
विकास के चक्र में पर्यावरणीय प्रति जो होने हेतु  
पर्यावरणीय विज्ञान आवश्यक है। इसलिसे वन  
कमवाही योजना 2015 वन संरक्षण नीति 1988  
पारंपरिक वन आविष्कार आवे निमम 2006 जारी  
आमे गमे है



### ⑨ सूक्ष्म व शिक्षा:

- > पर्यावरणीय शैलिकता: पर्यावरण के प्रति नीतिक  
हासिनीय
- > समानुच्चरि - वन जीव तथा वन के पारंपरिक  
निवासियों के प्रति
- > करणा: वन के जीवों के प्रति
- > भावनात्मक समझ: सभी दिलचस्पारकों के  
प्रति
- > समानेष्टी: सभी के प्रति
- > निष्पक्षता: समाज में सभी को लाभ  
है इसलिसे

> पर्यावरण एवं विकास में संतुलन का  
सिद्धान्त



⑤ सामाजिक तथा पर्यावरणीय आवश्यकताओं में  
संतुलन हेतु उपायवाही:-

- > E.I.A के माध्यम से पर्यावरणीय प्रभावों  
का आकलन करना।
- > पर्यावरणीय क्षेत्र पर चपटने वाले प्रभावों  
को तकनीक के इस्तेमाल से नगण्य  
करना।
- > खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को नई तकनीक  
अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने वाले विधेय  
उद्देश्य वाले कानून तथा CSR डेड ला  
विधेय विधेय जा सकता है।

- > विनायक से उष्ये/साम
- > किसी भी आवेदन को जो है पाठ्यक्रम  
किसी विद्यार्थी या शिक्षार्थी के नाम में न  
हो तो उसे भौतिक मूल्य के आधार  
पर ~~सर्व~~ सैपा (SIPA) के नाम से स्वीकारित  
करना।
- > इस के तहत मोहम्मद से पर्यावरणीय विभाग  
को प्रस्तावित करना।
- > उद्योगों से उष्ये साम का कुछ हिस्सा  
स्वीकारित समुदाय के विभाग में खर्च  
करना।
- > उद्योगों में स्वीकारित समुदाय के उद्योगों की  
प्रस्तावित करना।
- > किसी भी आवेदन को संबंध  
में स्वीकारित समुदाय की पूर्व अनुमति  
अवश्य होना यदि उनके द्वारा विरोध किया  
जा रहा है तो ~~उस~~ उनकी शिकायतों को  
सुनना उनका प्रभावी निराकरण कर उनको

विकास का लक्ष्य है।

> मनुष्य - <sup>वन्म जीव</sup> ~~पशु~~ विकर्षण की - बन गये हेतु  
सबसे पहले ~~आवश्यक~~ वन्म जीव आकाशी  
वाली जगहों में वन्म जीव आकाशी  
का निर्माण आरंभ करना।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने हेतु  
जहाँ विकास की आवश्यकता है वहाँ  
INDC लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु पर्यावरण  
को भी संरक्षित करने की आवश्यकता है  
इसलिए दोनों में संतुलन रख सतत  
विकास को अपनाना चाहिए।

14. The RTI Act, which became operational in 2005 empowers the Indian citizens to seek information from public authorities. This, in effect, makes the Government and its functionaries more accountable and responsible. However, it has faced resistance because of the entrenched bureaucratic culture and it is taking time to change the mindset of the people in the government to new realities in wake of the act. This has led to implementation issues and questions have also been raised against the effectiveness of the act in achieving its desired objectives. Apart from this, certain issues related to the information seeker have also been raised from time to time.

In view of the innumerable challenges answer the following:

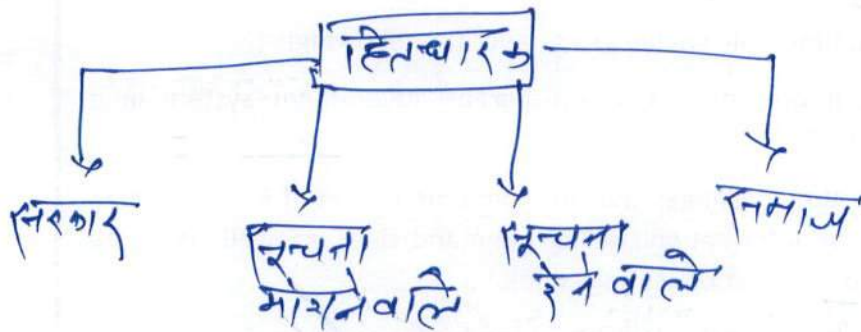
- (a) Explain the importance of a transparent government system in a democracy, like India.
- (b) Elaborate on the challenges that the implementation of RTI has faced, in the context of information seeker (demand-side) as well as those entrusted to give information (supply-side).
- (c) Discuss the role that such a legislation can be expected to play given the ground realities in our country. How can it be ensured that such legislations are effective in achieving their envisaged objectives? (20)

2005 में लागू RTI अधिनियम भारतीय नागरिकों को लोक प्राधिकारियों से सूचना मांगने का अधिकार प्रदान करता है। यह प्रभावी रूप से, सरकार और इसके पदाधिकारियों को अधिक उत्तरदायी और जिम्मेदार बनाता है। परन्तु, इसे मोर्चाबद्ध नौकरशाही संस्कृति के विरोध का सामना करना पड़ रहा है और इस कानून के मद्देनजर नई वास्तविकताओं के प्रति सरकार के लोगों की मानसिकता परिवर्तित होने में समय लग रहा है। इसके कारण कार्यान्वयन में समस्या आ रही है और इच्छित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए इस कानून की प्रभावकारिता पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसके अतिरिक्त, सूचना मांगने वाले से संबंधित कुछ मुद्दे या विवाद भी समय-समय पर उठते रहे हैं।

अनगिनत चुनौतियों को देखते हुए निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

- (a) भारत जैसे लोकतंत्र में एक पारदर्शी सरकारी तंत्र के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
- (b) सूचना मांगने वाले (मांग-पक्ष) और जिन्हें सूचना देने का काम सौंपा गया है (आपूर्ति-पक्ष) उनके संदर्भ में RTI के कार्यान्वयन में जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, उनका विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।
- (c) अपने देश की धरातलीय वास्तविकताओं को देखते हुए, उस भूमिका की चर्चा कीजिए जिसे इस तरह के कानून द्वारा निभाया जाना अपेक्षित है। यह कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसा कानून अपने उल्लिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्रभावी हो?

2nd ARC ने निम्नलिखित आधिकार अधिनियम को  
प्रशासन की कुंजी कहा है यह पारदर्शिता  
तथा जवाबदेही का आश्रित अंग है।



क) पारदर्शी सरकारी तंत्र का महत्व:

- निधियों का उद्देश्यपूर्ण उपयोग
- पारदर्शी लोकतंत्र
- प्रशासन में उच्च पारदर्शिता (transparency)
- International वर्तमान में शिवालय
- जवाबदेही में वृद्धि
- धौलतों का सक्रियकरण (e-GPAM, Coal धौलत)
- निवासों की तीव्र डिमांड (करोड़ों के एक जिले में RTI के कारण खास प्रशासन स्वतंत्र संबंधी शिवालयें पंजी की)

- सामाजिक न्याय तथा शोषणकारी राज की स्थापना में सहयोगी।
- (b) विचारा मांगने वाले पक्ष की संबंध में चुनौती:
- (1) विचाराओं का लवरेत न मिलना।
  - (2) गुप्त बात अधिनियम 1923 तथा RTI की धारा 8 के तहत विचाराओं के तकलीफदायि होना।
  - (3) विचाराओं को डरी लह ले न देना।
  - (4) RTI, SC जैसे अनुक्रमों द्वारा विचारा के अधिकार के प्रति कम जागरूक होना।
  - (5) विचारा मांगने वाले की हत्या होना (पत्रकार की हत्या)।

विचारा देने वाले के समक्ष व्याप्त समस्याएँ:

- विचारा अधिकारियों की कम संख्या
- तकलीफ का कम प्रयोग
- विश्व संबंधी समस्या
- गोपनीयता बनाम विचारा के अधिकार को बैलेंस होना
- विचाराओं का इकील न होना।

व्यक्तिगत अतावेस

५ हाल ही में लखनऊ आयोग द्वारा अधिनियम  
में इसे संशोधन से लखनऊ अधिनियम के  
पद धर्मपालिका का टर्म्स में बदला।

⑩ कानून द्वारा निर्धारित जाने वाली  
शुद्धि:-

> अधिकाधिक का उद्घाटन

> कानून का शासन स्थापित करने

> शासन में लोगों की सहभागिता  
बढ़ाने के लिए शासन को अनुरोधित  
बनाना।

> शासन में प्रत्यक्षता तथा ईमानदारी  
का गुण समावेशित करने के लिए सुशासन  
तथा नैतिक शासन बनाना।

> वंचित वर्गों के कालम हेतु उन विधियों  
का उचित उपयोग करने की नीति के अन्तर्गत  
में मांगवाने के प्रामाणिक मात्र स्थापित  
करना (राजस्थान में RTI के कारण  
मनोरं की इसका वही)

अर्थशास्त्र द्वारा उद्देश्यों की प्राप्ति को  
निश्चित करने हेतु:

- 1) कर्मचारियों की संख्या बढ़ाना
- 2) प्रत्यक्ष आहुत को प्रकाश बनाना
- 3) तकनीक का प्रयोग बढ़ाना
- 4) प्रत्यक्षाओं का अविभाज्य गोपनीयता  
तथा तकनीकपूर्ण मांग के आधार  
पर करना
- 5) गुप्त बाल आर्थिकीयम 1923 को समाप्त  
करके नए राजकोष आर्थिकीयम के  
समाप्त निर्धारित करना (24th APR)
- 6) प्रत्यक्षा के अधिकार के प्रति लोगों में  
जागरूकता बढ़ाना।

प्रत्यक्षा ग अधिकार उल्लंघनकारी राज्य  
तथा प्रशासन ग आधार है अतः इसे  
निगम बनाना आवश्यक है।